सेवा करो चलते रहो

मिले जो जीवन की राहों में
साथ मिलकर चलते रहो,
अगर मिले ताक़त इस दुनिया मे
लोगों के आँसू पोंछते रहो,
गम,और खुशी जीवन के पहलू हैं
गले लगाकर चलते रहो,
लिखा जो है किस्मत में हमारी
स्वीकार उसे करते रहो,
माता पिता और भाई बंधु का
सबका साथ निभाते रहो,
जो जुबाँ दी है उस परमपिता ने
मीठी जुबान घोलते रहो,
भगवान की सब कठपुतली है
ध्यान इस का रखते रहो,
सुख दुख जीवन के साथी है
खुशी से इनके साथ रहो,
दुनिया रूपी इस नाट्यशाला में
किरदार अपना निभाते रहो,
हँसी खुशी से हर मानव के साथ
अमृत की धार बरसाते रहो,
निभाने के लिये हर जिम्मेदारी
अनुशासन से तुम काम करो,
जब तक साँसो पर नाम लिखा है
प्रेम से उन्हें लेते ही रहो,
हर मौसम में इस पावन धरती को
नतमस्तक होकर नमन करो,
अनुशासित रहकर इस जीवन मे
मानव सेवा करते ही रहो,

✍ गोपाल कृष्ण व्यास